Microfinance Institutions Network (MFIN)

Satin Creditcare Network case study

Coverage Report

September 2019

# Media Coverage Index

| S. No. | Publication Name | Media |
|---|---|---|
| 1. | Dainik Bhaskar | Print |
| 2. | Dainik Bhor | Print |
| 3. | Dainik Jaltedeep | Print |
| 4. | Dainik Navjyoti | Print |
| 5. | Samachar Jagat | Print |
| 6. | The Public Side | Print |

| | |
|---|---|
| **Publication** | Dainik Bhaskar |
| **Edition** | Jhunjhunu |
| **Date** | 18th September 2019 |
| **Page No.** | 09 |

# माइक्रोफाइनेन्स का महिला उद्यमियों को सहयोग

झुंझुनू | एनबीएफसी-एमएफआई साटिन क्रेडिट केयर नेटवर्क ने यहां महिला उद्यमियों को सहयोग प्रदान कर माइक्रोफाइनेन्स के माध्यम से उनके जीवन में नई आशा का संचार किया है। साटिन क्रेडिट केयर वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम करता है। यह 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुका है और आज 18 राज्यों में मौजूद है। संगठन ने कई स्थानीय महिलाओं को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उनके सपने साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है।

| Publication | Dainik Bhor |
|---|---|
| Edition | Jhunjhunu |
| Date | 18th September, 2019 |
| Page No. | 02 |

# माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

झुंझुनू, 17 सितम्बर ( एजेन्सी )। महिला उद्यमियों को सहयोग प्रदान कर माइक्रोफाइनेन्स ने उनके जीवन में नई आशा का संचार किया है। राजस्थान के झुंझुनू जिले की आस्मीन ऐसी ही उन महिलाओं में से एक है जिन्होनें अपने क्षेत्र में काम करने वाली एक एनबीएफसी-एमएफआई साटिन क्रेडिट केयर नेटवर्क से 25000 रूपये का गण प्राप्त कर न केवल एक सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र शुरू किया, बल्कि कुछ लड़कियों को प्रशिक्षण देकर उनकों रोजगार भी दिया। इस तरह उनका सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र अ%छा चलने लगा। आज ये लड़कियो खुद अपनी आजीविका कमा कर अपने परिवार को सहयोग प्रदान कर रही हैं।

आस्मीन की तरह कई अन्य महिलाओं को साटिन क्रेडिट केयर के साथ जुड़ने से फायदा हुआ है। साटिन क्रेडिट केयर एक आरबीआई से जुड़ा एनबीएफसी-एमएफआई है जो भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम करता है। यह 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुका है और आज 18 रा%यों में मौजूद है। संगठन ने कई स्थानीय महिलाओं को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उनके सपने साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है। माइक्रोफाइनेंस इन्सटीट्यूशन नेटवर्क एक स्व-विनियामक संगठन है। यह भारत में माइक्रोफाइनेन्स उद्योग के सहयोग से काम करता है, देश में सूक्ष्म गण की 99 फीसदी लाभार्थी महिलाएं हैं। सूक्ष्म गण उपलब्ध कराने वाले संस्थान जैसे एनबीएफसी- एमएफआई, स्मॉल फाइनेन्स बैंक आदि भारत के उन वंचित लोगों को आसान गण सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई देश के एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थान हैं जो कम आयवर्ग वाले परिवारों को असुरक्षित गण प्रदान करते हैं। ये संस्थान महिलाओं के लिए गण सुविधाओं की कमी को दूर करते हैं, जिनके पास गण लेने के लिए सिक्योरिटी या कोलेटरल का इंतज़ाम नहीं होता। लोगों को स्थायी आजीविका उपलब्ध कराना एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य है। दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में उपभोक्ताओं को वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराकर ये संस्थान सरकार के वित्तीय समावेशन के एजेंडा को प्रोत्साहित करते हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री की मुद्रा योजना का महत्वपूर्ण साझेदार है और इस प्रोग्राम के तहत किया गया 50 फीसदी गण वितरण सूक्ष्मफइनेन्स कंपनियों के ज़रिए ही किया गया है। एनबीएफसी-एमएफआई रिज़र्व बैंक ऑफइंडिया के साथ पंजीकृत हैं और गण के आकार, अवधि, ब्याज दर से लेकर निष्पक्ष आचरण संहिता और उद्योग आचार संहिता तक ये पूर्णतया विनियमित हैं। रिज़र्व बैंक सभी एनबीएफसी-एमएफआई का नियमित पर्यवेक्षण करता है।

| Publication | Dainik Jaltedeep |
|---|---|
| Edition | Jhunjhunu |
| Date | 18th September, 2019 |
| Page No. | 07 |

# माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

जलतेदीप निसं, झुंझुनू

महिला उद्यमियों को सहयोग प्रदान कर माइक्रोफाइनेन्स ने उनके जीवन में नई आशा का संचार किया है। राजस्थान के झुंझुनू जिले की आस्मीन ऐसी ही उन महिलाओं में से एक है जिन्होनें अपने क्षेत्र में काम करने वाली एक एनबीएफसी-एमएफआई साटिन क्रेडिट केयर नेटवर्क से 25000 रूपये का ऋण प्राप्त कर न केवल एक सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र शुरू किया, बल्कि कुछ लड़कियों को प्रशिक्षण देकर उनकों रोजगार भी दिया। इस तरह उनका सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र अच्छा चलने लगा। आज ये लड़कियो खुद अपनी आजीविका कमा कर अपने परिवार को सहयोग प्रदान कर रही हैं। आस्मीन की तरह कई अन्य महिलाओं को साटिन क्रेडिट केयर के साथ जुड़ने से फायदा हुआ है। साटिन क्रेडिट केयर एक आरबीआई से जुड़ा एनबीएफसी-एमएफआई है जो भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम करता है। यह 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुका है और आज 18 राज्यों में मौजूद है। संगठन ने कई स्थानीय महिलाओं को उनकी आर्थिक स्थिति मे सुधार लाने और उनके सपने साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है। माइक्रोफाइनेंस इन्सटीट्यूशन नेटवर्क एक स्व-विनियामक संगठन है। यह भारत में माइक्रोफाइनेन्स उद्योग के सहयोग से काम करता है, देश में सूक्ष्म ऋण की 99 फीसदी लाभार्थी महिलाएं हैं। सूक्ष्म ऋण उपलब्ध कराने वाले संस्थान जैसे एनबीएफसी- एमएफआई, स्मॉल फाइनेन्स बैंक आदि भारत के उन वंचित लोगों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं। एनबीएफसी-एमएफआई देश के एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थान हैं जो कम आयवर्ग वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करते हैं। ये संस्थान महिलाओं के लिए ऋण सुविधाओं की कमी को दूर करते हैं, जिनके पास ऋण लेने के लिए सिक्योरिटी या कोलेटरल का इंतज़ाम नहीं होता। लोगों को स्थायी आजीविका उपलब्ध कराना एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य है। दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में उपभोक्ताओं को वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराकर ये संस्थान सरकार के वित्तीय समावेशन के एज़ेंडा को प्रोत्साहित करते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री की मुद्रा योजना का महत्वपूर्ण साझेदार है और इस प्रोग्राम के तहत किया गया 50 फीसदी ऋण वितरण सूक्ष्मफाइनेन्स कंपनियों के ज़रिए ही किया गया है।

| | |
|---|---|
| **Publication** | Dainik Navjyoti |
| **Edition** | Jhunjhunu |
| **Date** | 18th September, 2019 |
| **Page No.** | 11 |

# माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

**एजेंसी/नवज्योति,झुंझुनू**

महिला उद्यमियों को सहयोग प्रदान कर माइक्रोफाइनेन्स ने उनके जीवन में नई आशा का संचार किया है। राजस्थान के झुंझुनू जिले की आस्मीन ऐसी ही उन महिलाओं में से एक है जिन्होनें अपने क्षेत्र में काम करने वाली एक एनबीएफसी-एमएफआई साटिन क्रेडिट केयर नेटवर्क से 25000 रुपए का ऋण प्राप्त कर न केवल एक सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र शुरू किया, बल्कि कुछ लड़कियों को प्रशिक्षण देकर उनको रोजगार भी दिया। इस तरह उनका सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र अच्छा चलने लगा। आज ये लड़कियों खुद अपनी आजीविका कमा कर अपने परिवार को सहयोग प्रदान कर रही हैं। आस्मीन की तरह कई अन्य महिलाओं को साटिन क्रेडिट केयर के साथ जुड़ने से फायदा हुआ है। साटिन क्रेडिट केयर एक आरबीआई से जुड़ा एनबीएफसी-एमएफआई है जो भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम करता है।

| Publication | Samachar Jagat |
|---|---|
| Edition | Jhunjhunu |
| Date | 18th September, 2019 |
| Page No. | 09 |

# माइक्रो फाइनेंस महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

**जयपुर।** महिला उद्यमियों को सहयोग प्रदान कर माइक्रो फाइनेंस ने उनके जीवन में नई आशा का संचार किया है। राजस्थान के झुंझुनू जिले की आस्मीन ऐसी ही उन महिलाओं में से एक है जिन्होनें अपने क्षेत्र में काम करने वाली एक एनबीएफसी-एमएफआई साटिन क्रेडिट केयर नेटवर्क से 25,000 रुपए का ऋण प्राप्त कर न केवल एक सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र शुरू किया, बल्कि कुछ लड़कियों को प्रशिक्षण देकर उनकों रोजगार भी दिया। इस तरह उनका सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र अच्छा चलने लगा। आज ये लड़कियों खुद अपनी आजीविका कमा कर अपने परिवार को सहयोग प्रदान कर रही हैं। आस्मीन की तरह कई अन्य महिलाओं को साटिन क्रेडिट केयर के साथ जुड़ने से फायदा हुआ है। साटिन क्रेडिट केयर एक आरबीआई से जुड़ा एनबीएफसी-एमएफआई है जो भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम करता है। यह 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुका है और आज 18 राज्यों में मौजूद है। संगठन ने कई स्थानीय महिलाओं को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उनके सपने साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है।

माइक्रो फाइनेंस इन्सटीट्यूशन नेटवर्क एक स्व-विनियामक संगठन है। यह भारत में माइक्रो फाइनेंस उद्योग के सहयोग से काम करता है, देश में सूक्ष्म ऋण की 99 फीसदी लाभार्थी महिलाएं हैं। सूक्ष्म ऋण उपलब्ध कराने वाले संस्थान जैसे एनबीएफसी- एमएफआई, स्मॉल फाइनेंस बैंक आदि भारत के उन वंचित लोगों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं।

| Publication | The Public Side |
|---|---|
| Edition | Jhunjhunu |
| Date | 18th September, 2019 |
| Page No. | 03 |

# Microfinance lends a support to women entrepreneurs

**Jhunjhunu.** Asminlives in Hatmi Nagar Jhunjhunu in the state of Rajasthan with her husband Taufiqueand three children. Taufique is a daily wage labourer and usually stays out of home for most of the time to earn for his family. Asmin wanted to support him and decided to start a business of her own. Asmin had learnt stitching work before her marriage and joined a stitching workshop to brush up her skills. She wanted to buy few sewing machines and was in need of capital to buy them. She came to know about Satin Credit Creditcare Network, a Non-Banking Financial Company-Micro Finance Institutions (NBFC-MFI) that operated in her area and extended micro-loans for livelihood activities in her neighbourhood.
Asmindecided to takea loan of Rs 25000 from Satin and bought few sewing machinesto starther sewing business.She also trained few girls under her and employed them that helped her further expand her stitching learning centre. Today, these girls are able to earn livelihood and are supporting their families. Similar to Asmin, many women have been benefited from association with Satin Creditcare Network.